

# डॉ. एलेन फिलिप्स, पुराने नियम का साहित्य, व्याख्यान 22, हिब्रू कविता, भजन, शैलियाँ

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, सुप्रभात। मसीह की शांति आपके साथ रहे। ऐसा लगता है कि आजकल विद्यार्थी जीवन बहुत बोझिल हो गया है।

हम लगभग 10, 10 से 12 लोगों को खो चुके हैं, लेकिन यहाँ एक और आ गया है। आपको आशीर्वाद। वैसे भी, यहाँ घोषणाएँ हैं।

आपमें से जो लोग अतिरिक्त क्रेडिट कर रहे हैं, उन्हें आज ही अपना सामान जमा करवाना होगा। कोई अपवाद नहीं, कोई एक्सटेंशन नहीं, आप इसे जो भी नाम देना चाहें। मुझे पहले ही चार या पाँच मिल चुके हैं, और यह बहुत बढ़िया है।

उन्हें करने के लिए धन्यवाद, और आप में से जो लोग उस परियोजना में लगे हुए हैं, वे अपना काम जारी रखें। मुझे यकीन है कि यह आपके लिए अच्छा रहेगा। पेपर के लिए टिप्पणियाँ कैसे खोजें, इस बारे में कुछ सवाल उठाए गए हैं। अब, मुझे पता है कि आपका ध्यान मुख्य रूप से परीक्षा पर है, जो बुधवार को है, लेकिन मैं इस संबंध में उन लोगों के लिए कुछ टिप्पणियाँ करना चाहता हूँ जिन्हें लाइब्रेरी के संदर्भ अनुभाग में जाने का मौका नहीं मिला है।

अगर आपने पेपर असाइनमेंट को ध्यान से पढ़ा है, तो आप जानते होंगे कि इसमें लिखा है, कृपया मैथ्यू हेनरी का उपयोग न करें, जो ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध है, लेकिन इसमें वह सामग्री नहीं है जिसकी हमें यहाँ तलाश है। इसके बजाय, जब आप लाइब्रेरी में जाते हैं, खासकर संदर्भ कक्ष में - मुझे विश्वास है कि आप जानते हैं कि वह कौन सा है - सर्कुलेशन डेस्क से आगे बढ़ें, बाएं मुड़ें, और वहाँ यह है। रैंडी गॉमन की डेस्क से आगे बढ़ें।

वह वही है जो संदर्भ कक्ष के अंदर बैठता है और दाईं ओर जाता है। ठीक है, बाईं ओर मत जाओ; दाईं ओर जाओ, और उन पहली दो पंक्तियों में, वे इन्हें कभी-कभी इधर-उधर कर देते हैं, इसलिए मुझे यकीन नहीं है कि यह दूसरी या तीसरी पंक्ति में है, लेकिन पहली दो पंक्तियों में, आपको टिप्पणियों की एक के बाद एक शेल्व मिलेंगी, पुराने नियम और नए नियम दोनों की टिप्पणियाँ। असाइनमेंट शीट के पीछे मैंने जो भी सूचीबद्ध किया है, वे सभी उसी श्रृंखला में हैं, इसलिए यहीं से शुरुआत करनी है।

इसे शुरू करने के लिए यह एक बढ़िया जगह है, क्योंकि यह संदर्भ कक्ष की सामग्री है, और इसका मतलब है कि यह कभी भी संदर्भ कक्ष से बाहर नहीं जाती है, इसलिए आप यह नहीं कह सकते कि, ओह, मुझे कुछ नहीं मिला। यह शेल्व पर नहीं हो सकता है, क्योंकि आपको उस रीशेल्व कार्ट में जाना पड़ सकता है, क्योंकि मेरा अनुमान है कि एक ही समय में इन संसाधनों का उपयोग करने वाले एक से अधिक व्यक्ति होंगे। लेकिन अपना रास्ता बनाइए।

गाड़ी के चारों ओर देखें, टेबलों के चारों ओर देखें, और संसाधनों को साझा करें। आपके पेपर पर काम करते समय आपके लिए काम करने के लिए वहाँ बहुत सारी सामग्री होगी। तो फिर से, बस आप में से उन लोगों की मदद करने के लिए जिन्हें वास्तव में यह पता लगाने का मौका नहीं मिला है कि लाइब्रेरी में टिप्पणियाँ कहाँ स्थित हैं।

परीक्षा के संबंध में, आज रात और कल की समीक्षा सत्र का लाभ उठाना वास्तव में अच्छा होगा यदि आप नियमित रूप से ऐसा नहीं कर रहे हैं। मुझे बुधवार के लिए आरंभिक समय और समाप्ति समय के संदर्भ में थोड़ा सा बदलाव करना है। चूँकि मुझे इस कक्षा के समाप्त होने के तुरंत बाद एक मीटिंग में जाना है, इसलिए हमें 10:20 तक रुकना होगा।

अब, क्योंकि यह सच है, और क्योंकि कुछ लोग आठ बजे की क्लास से आ रहे हैं, इसलिए यह उचित नहीं होगा कि आप में से कुछ लोग नौ बजे से शुरू करें और उन्हें पूरा डेढ़ घंटा दें और दूसरों को सिर्फ़ एक घंटा ही दें। इसलिए इस बार विंडो नौ बजे से शुरू होगी। आप नौ बजे से ही शुरू कर सकते हैं।

दूसरे शब्दों में, अगर आपकी कक्षा आठ बजे की है तो अपनी कक्षा के तुरंत बाद यहाँ आँ। और फिर आप 10:20 बजे तक भी जा सकते हैं, लेकिन मुझे उस समय तक निकलना होगा। अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें निश्चित रूप से ज़्यादा समय की ज़रूरत है, और आप यह जानते हैं, तो आज ही व्यवस्था करें और अकादमिक सहायता केंद्र में जाकर इसे लें, और फिर मुझे आज ही बताएँ ताकि मैं जान सकूँ कि ऐसा होने वाला है।

इसलिए, यदि समय आपके लिए सभी प्रकार के अनावश्यक तनाव का कारण बनता है, तो इसे समायोजित करने के तरीके हैं, लेकिन आपको आज ही इसके लिए व्यवस्था करके इसका लाभ उठाने की आवश्यकता है। क्या आपके पास इसके बारे में कोई प्रश्न है? बाकी नीतियाँ लगभग एक जैसी ही हैं। जैसा कि आप जानते हैं, इस बार इस परीक्षा में एक नक्शा है, और शाऊल पर एक निबंध प्रश्न भी होगा।

इनमें से किसी भी चीज़ पर कोई सवाल? खैर, आप जानते हैं, हम आज भजन गाएँगे। एक साथ बैठकर विश्वासियों की एकता।

आइए प्रार्थना करें।

पिता, आज सुबह जब हम आपसे बात कर रहे हैं, तो हम आपके बच्चे होने के लिए आभारी हैं। हम आपके बच्चों के रूप में आपके द्वारा दिए गए प्यार, सहनशीलता, वफादारी और सुरक्षा के लिए आभारी हैं। और इसलिए जब हम एक साथ एक और सप्ताह में प्रवेश कर रहे हैं, प्रभु, हम प्रार्थना करेंगे कि आप अपनी आत्मा और अपने वचन के द्वारा हमारे जीवन में काम करें।

आपकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद, और हो सकता है कि यह ऐसी उपस्थिति हो जिसके बारे में हम जानते हों और जिसके प्रति हम उत्तरदायी हों। पिता, हम बुधवार और परीक्षा की तैयारी करते समय एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं, और प्रभु, हम ईमानदारी से प्रार्थना करते हैं कि हम जो चीज़ें एक साथ सीखते हैं, वे ऐसी चीज़ें हों जिनका उपयोग आप हमें ऐसे लोगों के रूप में

ढालने के लिए करें जो इस अंधेरी दुनिया में रोशनी और प्रकाशस्तंभ हैं। आज जब हम एक साथ भजनों का अध्ययन करते हैं, प्रभु, हमें अपनी खुशी, अपनी आशाओं, अपने डर, और अपनी चिंताओं और पीड़ा को आपके सामने व्यक्त करने के हमारे तरीकों में आपके रहस्योद्घाटन के एक और तरीके की सराहना करने में मदद करें।

तो, हम इनके लिए भी आपका धन्यवाद करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि इस बार भी मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ आशीर्वाद दें। आमीन।

खैर, हम वास्तव में काव्य साहित्य पर सामान्य रूप से चर्चा करने जा रहे हैं। मैं आपको कविता को समझने और पढ़ने के लिए कुछ सिद्धांत बताने जा रहा हूँ, और फिर हम आज के शेष घंटे में भजनों पर चर्चा करेंगे। बेशक, इसका कारण यह है कि हम अभी-अभी दाऊद का अध्ययन कर रहे हैं, और हालाँकि दाऊद ने भजनों के शीर्षकों के अनुसार सभी भजन नहीं लिखे हैं, और मैं उनके बारे में थोड़ी देर में और अधिक बताऊँगा, उसने उनमें से लगभग आधे, यानी 70 से अधिक भजन लिखे हैं।

तो, यह एक ब्रेक लेने का अच्छा समय है। हम, आप जानते हैं, नामों और घटनाओं से निपटने की कोशिश कर रहे हैं, और अब यह एक अलग तरह का दृष्टिकोण लेने और भजनों को देखने का एक अच्छा समय है। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, हमारे पास एक महत्वपूर्ण लेखक के रूप में डेविड है।

जब आप इन भजनों के शीर्षकों को पढ़ते हैं, तो अक्सर वे दाऊद के बारे में कहते हैं, और फिर आगे बढ़ते हैं और शायद कुछ परिस्थितियों और कुछ संगीतमय नोटों का वर्णन करते हैं - यहाँ थोड़ी परेशानी हो रही है। आइए देखें कि आगे क्या होने वाला है।

आइए इसे इस तरह से आजमाते हैं। आह, हाँ, यहाँ हम चलते हैं। तो, प्रथम नियम में कितनी कविता है? अनुमानित? क्या कोई अनुमान लगाना चाहता है? आधा? चौथाई? दो तिहाई? सारा? हाँ, यह लगभग एक तिहाई है, जो दिलचस्प है, है न? अगर हम साहित्य के उस पूरे समूह के बारे में सोचें जो हमें पुराने या प्रथम नियम में मिला है, तो इसका एक तिहाई हिस्सा काव्यात्मक अभिव्यक्ति में है।

आप जानते हैं, मुझे यकीन है कि आप में से कुछ लोगों को कविता पसंद है, लेकिन शायद आप इस बात के आदी नहीं हैं कि आप जो कुछ भी रोजाना या साप्ताहिक आधार पर पढ़ते हैं, उसका एक तिहाई हिस्सा कविता हो, क्योंकि अब हम खुद को व्यक्त करने का यही तरीका नहीं रह गया है। लेकिन यह तब था, और कविता की कुछ विशेषताएँ हैं, और विशेष रूप से हिब्रू कविता, जो इसे लोगों तक ईश्वर के सत्य को पहुँचाने के लिए एक अद्भुत, अद्भुत माध्यम बनाती है। इस कारण से, हमें हिब्रू कविता के बारे में बात करने में थोड़ा समय बिताने की ज़रूरत है।

लेकिन चलिए पहले एक छोटा सा सवाल पूछते हैं। कविता क्यों है, आप जानते हैं, हमारी संस्कृति में भी आपको जो कविता पसंद है, उसके बारे में सोचें, जिसमें हिब्रू कविता और उसके बीच कुछ अंतर हैं, लेकिन कविता ईश्वर के दृष्टिकोण से जो आप व्यक्त करना चाहते हैं उसे व्यक्त करने का

इतना बढ़िया तरीका क्यों है? यह कोई बयानबाजी वाला सवाल नहीं है, सुझाना। मैं कहूँगा कि शब्दों का आनंद, और विशेष रूप से शब्दों का चयन, कविता में, आमतौर पर हिब्रू कविता में, आपके पास कम शब्द होते हैं, और फिर भी वे बहुत सावधानी से चुने जाते हैं, है न? और हम उस पर वापस आएंगे, जिंजर।

तो, आपने यहाँ एक दिलचस्प मुद्दा उठाया है। सुझाना ने कुछ खास शब्दों का चयन किया है, और आप, मुझे लगता है, अस्पष्ट या संभावित रूप से अस्पष्ट अभिव्यक्तियाँ कह रहे हैं ताकि लोगों को आपसे इसका अर्थ पूछना पड़े। ठीक है, ये दोनों ही तरीके काफ़ी अच्छे से काम कर सकते हैं, और मुझे उम्मीद है कि हम इस पर थोड़ा और काम करेंगे।

मैरी? हाँ, इन सच्चाइयों को व्यक्त करने के लिए कभी-कभी दृश्य या भावपूर्ण कल्पना का उपयोग किया जाता है, और इसलिए, हम एक विशेष तरीके से संबंधित होने जा रहे हैं क्योंकि जो कल्पनाएँ दिखाई देती हैं, वे पहले से कही गई बातों के साथ सही तरह से चलती हैं। अक्सर, कविता में सच्चाई को व्यक्त करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द असामान्य होते हैं, और वे कुछ ऐसी तस्वीरों को दर्शाते हैं जिन्हें हम आम तौर पर नहीं समझ पाते। और कुछ? सारा? इसे याद रखना किससे आसान होता है? ठीक है, लेकिन कविता के बारे में क्या है जो इसे याद रखना आसान बनाती है? मुझे खेद है, मैंने अपना प्रश्न गलत तरीके से पूछा।

ठीक है, पश्चिमी कविता में यह निश्चित रूप से सच है, है ना? दा-दा-दा-दा-दा-दा-दा-दा-दा, दा-दे-दे-दा-दा-दा-दा-दा, द लय क्रम से लगाना का मदद करता है हमें पता लगाना है, ओह हाँ, क्या शब्द वहाँ गया? जैक? हाँ, हम जिस समानता के बारे में बात करने जा रहे हैं, वह सत्य को व्यक्त करने के मामले में एक प्रमुख कारक होने जा रहा है, और मैं इसे याद रखने का सुझाव दूँगा। हालाँकि कभी-कभी जब हम याद करने की कोशिश करते हैं, या कम से कम मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए मैं आप पर इसका आरोप नहीं लगा सकता, लेकिन कभी-कभी जब मैं उदाहरण के लिए भजन या नीतिवचन याद करने की कोशिश करता हूँ, तो मैं चीजों के क्रम के मामले में थोड़ा उलझ जाता हूँ क्योंकि कभी-कभी एक ही विचार अलग-अलग शब्दों में व्यक्त किया जाता है और आप सोच रहे होते हैं कि क्या हो रहा है। ठीक है, क्या वह पहले आया या दूसरी चीज़ पहले आई? लेकिन आप सही हैं, और समानता यहाँ एक बड़ी बात होने जा रही है। खैर, यहाँ सिर्फ़ कुछ चीज़ें हैं जो आपने पहले ही कह दी हैं।

दृश्य चित्रण, और हम इसके बारे में और बात करने जा रहे हैं, और कुछ उदाहरण भी देंगे। लेकिन जब आपके पास पहाड़ धुआँ उड़ाते हुए और जानवर उछलते हुए और इस तरह की चीज़ें होती हैं, तो वे यादगार होती हैं, और वे हम पर भी प्रभाव डालती हैं। इसलिए, वे आध्यात्मिक सत्यों के प्रति हमारी संवेदनशीलता के स्तर को बढ़ाते हैं।

हम इसके कुछ उदाहरण देखेंगे, खासकर भजन संहिता के कुछ उदाहरणों को देखते हुए, और फिर इसे याद करना ऐतिहासिक कथा की तुलना में आसान है। कभी-कभी ऐतिहासिक कथा को याद करने की कोशिश करें। यह थोड़ा मुश्किल है।

लेकिन जब आप कविता का सहारा लेते हैं, तो यह थोड़ा आसान हो जाता है, और इसमें तुकबंदी और लय होना ज़रूरी नहीं है, हालाँकि यह निश्चित रूप से मदद करता है, जैसा कि हम थोड़ी देर में देखेंगे। यहाँ एक उदाहरण है। मैं सुझाव देता हूँ कि यह हमारे लैटिन सीज़न के लिए बिल्कुल सही है।

बेशक, यह एक बहुत ही प्रिय भजन है। लेकिन जरा इसके बारे में सोचिए। हम थोड़ी देर बाद तुकबंदी और लय के बारे में बात करेंगे।

लेकिन छवि को देखिए। सर्वेक्षण, देखने से अलग शब्द है। सर्वेक्षण में कुछ ऐसा अंतर्निहित है जो हमें इसे पूरी तरह से देखने का मौका देता है, अगर आप चाहें तो यह सर्वेक्षण के अंतर्निहित अर्थ का हिस्सा है।

फिर क्रॉस सिर्फ़ क्रॉस नहीं है, बल्कि यह अद्भुत है। सौभाग्य से, इसमें अद्भुत नहीं लिखा है क्योंकि हमने पिछले 15 सालों में भयानक शब्द का दुरुपयोग किया है, और इसका वह अर्थ नहीं है जो होना चाहिए। लेकिन अद्भुत अभी भी है।

जब हम अद्भुत शब्द का प्रयोग करते हैं तो उससे कहीं बढ़कर कुछ होता है। बेशक, केवल यीशु कहने के बजाय, हालाँकि यह पूरी तरह से उचित होगा, हमें महिमा का राजकुमार और महिमा में निहित सभी वास्तविक अर्थ कहना चाहिए। महिमा ईश्वर की चमक, उसकी पूर्ण चमक का एक दृश्यमान प्रकटीकरण है।

इसलिए, जब आप महिमा के बारे में सोचते हैं, तो आप उसके बारे में सोच रहे होते हैं, और यहाँ यीशु महिमा के राजकुमार हैं। फिर, बेशक, मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि में वह सब कुछ शामिल है जिसे आप और मैं अपनी मानवीय, आम तौर पर बहुत ही आत्म-केंद्रित आकांक्षाओं के रूप में सोच सकते हैं। जैसा कि पॉल कहते हैं, वे कुछ भी नहीं हैं।

वे कचरा हैं, वे कचरा हैं। मैं गिनता हूँ लेकिन हार जाता हूँ। फिर मुझे आखिरी पंक्ति पसंद आती है, अवमानना की बौछार।

यह कहने का कितना बढ़िया तरीका है कि मुझे अपने जीवन के बारे में सोचने के तरीके को पूरी तरह से उलट देना चाहिए। स्वार्थी और स्वार्थी होने के बजाय, मुझे बस तिरस्कार करना चाहिए, उन भावनाओं से अभिभूत होना चाहिए जो हमारे पास ईश्वर की चमक और महिमा, मेरी खुद की अभिमानी आकांक्षाओं के बारे में हैं। एक अद्भुत छंद, क्या आपको नहीं लगता? यह हमें काव्यात्मक रूप में कुछ बहुत ही गहन धर्मशास्त्र का बोध कराता है।

बहुत गहन धर्मशास्त्र। फिर दूसरी बात यह है कि इसमें तुकबंदी और लय है। अब, यह एक ऐसी चीज़ है जो हमें हिब्रू कविता में जाने पर देखने को नहीं मिलेगी।

लय की एक हल्की भावना है, और ऐसी ध्वनियाँ हैं जिनका उपयोग किया जाता है, ज़रूरी नहीं कि वे इतनी बार तुकबंदी करें, लेकिन हिब्रू कविता में ध्वनियों का उपयोग है, लेकिन उस हद तक नहीं जितना हम क्लासिक पश्चिमी कविता में करते हैं। तो, आइए हिब्रू कविता की कुछ

विशेषताओं पर नज़र डालें। फिर से, मैं इस बिंदु पर व्यापक रूप से सोच रहा हूँ, ताकि हम इसे न केवल भजनों पर लागू करें, बल्कि हम इन विचारों को नीतिवचन, सभोपदेशक, इसके कुछ भाग, अय्यूब, आदि पर भी लागू करने जा रहे हैं।

वास्तव में, भविष्यवाणी साहित्य का भी बहुत कुछ। मैंने पहले ही क्लासिक पश्चिमी कविता के साथ इसके विपरीत का सुझाव दिया है, क्योंकि हिब्रू कविता में स्पष्ट तुकबंदी और लय नहीं है। इसके बजाय, अनुवाद के मामले में यह बिल्कुल अद्भुत है।

इसकी संरचना संतुलन पर आधारित है। अगर आप कहें तो यह ध्वनि लय के विपरीत लगभग वैचारिक लय है। यह एक वैचारिक लय है।

तो, संतुलन, समरूपता और विचार, समानता की हमारी अत्यंत महत्वपूर्ण अवधारणा के बारे में जैक ने जो कहा है, उसे सामने लाते हैं। अब, जब हम समानता के बारे में बात कर रहे हैं, तो कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किस तरह की समानता के बारे में बात करने जा रहे हैं, और हम थोड़ी देर में इनके कुछ उदाहरण देखेंगे। तो, देखें कि क्या आप एक ही समय में सुन और लिख सकते हैं।

पहली पंक्ति में जो कुछ भी दिखाई देता है, उसे दूसरी पंक्ति में फिर से संबोधित किया जाएगा। इसे समानार्थी शब्दों के साथ फिर से कहा जा सकता है, जो समानार्थी समानता है। इसे इस तरह से संबोधित किया जा सकता है, यहाँ एक पंक्ति है, लेकिन यहाँ इसका विपरीत है।

यहाँ हमारे लिए इसके विपरीत पक्ष से सोचने का एक और तरीका है। या इसे सरलता से कहा जा सकता है, यह हमारा पहला कथन है, आइए इस पर थोड़ा और विस्तार करें, और फिर थोड़ा और विस्तार करें, और फिर थोड़ा और विस्तार करें, जो अब है, जैसा कि आप देख सकते हैं, मैंने अभी उन तीनों की तीन परिभाषाएँ या विवरण दिए हैं। आइए देखें, यदि आपके पास अपना पाठ है, तो ये उदाहरण जो मैंने आपके लिए निकाले हैं।

वैसे, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि गोली नहीं, हाँ, गोली नंबर चार। ये रूप सिर्फ़ ऐसे ही आप पर नहीं चलाए जाते। वे आपस में जुड़े हुए हैं, वे बहुत ज़्यादा जटिल हो जाते हैं, और समानता के दूसरे रूप भी हैं।

आपको यह भी जानना चाहिए। आइए और ज्ञानवर्धक साहित्य लीजिए, हम उन पर विस्तार से चर्चा करेंगे। ये मुख्य हैं।

लेकिन यहाँ हम कुछ समानार्थी समानताओं को देखने जा रहे हैं। भजन 2 को देखें, जहाँ श्लोक 3 कहता है, चलो उनकी जंजीरें तोड़ दें और उनकी बेड़ियाँ उतार फेंकें। क्या यह अच्छा नहीं है? जंजीरें और बेड़ियाँ किसी ऐसी चीज़ को कहने के दो अलग-अलग तरीके हैं जो बाँधती है।

बेशक, तोड़ो और फेंक दो। श्लोक 4 में, स्वर्ग में विराजमान व्यक्ति हंसता है, और प्रभु उनका उपहास करता है। यह हम में से उन लोगों के लिए एक चौंकाने वाला विचार है जो हर समय ईश्वर को अच्छा बनाना पसंद करते हैं।

वह दुष्ट लोगों पर हंसता है और उनका उपहास करता है, जो समानता का पर्याय है। फिर, पद 5 में, वह अपने क्रोध में उन्हें फटकारता है और अपने क्रोध में उन्हें भयभीत करता है। ध्यान दें कि इनमें से प्रत्येक दूसरी पंक्ति पहली पंक्ति के बिंदु को स्पष्ट करती है।

और इसलिए, हमारे पास बहुत ही सरल रूप में समानार्थी समानता के कुछ उदाहरण हैं। यदि आप सिर्फ एक भजन का समर्थन करते हैं, तो मैंने इन्हें कुछ हद तक एक ही स्थान पर रखने की कोशिश की है ताकि हम उन्हें काफी आसानी से देख सकें। भजन 1, पद 6 की अंतिम पंक्ति, विरोधाभासी समानता का एक क्लासिक मामला है।

अब, यह जो कर रहा है वह यह है कि अंतिम श्लोक उन बड़े कथनों का सारांश प्रस्तुत करता है जो पहले दिए गए थे, जिन पर हम थोड़ी देर में विचार करने जा रहे हैं। दो बड़े कथन हैं, एक उन लोगों पर जो प्रभु पर भरोसा करते हैं और दूसरा उन लोगों पर जो नहीं करते। लेकिन अब, यहाँ हमारा सारांश कथन आता है।

प्रभु धर्मी लोगों के मार्ग की रक्षा करता है, लेकिन दुष्टों का मार्ग नष्ट हो जाएगा। इसलिए जो लोग एक ओर धर्मी हैं, जिन्हें परमेश्वर ने सुरक्षित रखा है, वहीं जो दुष्ट हैं, उनका मार्ग नष्ट हो जाएगा। विरोधाभासी समानता।

हम भजन संहिता में विरोधाभासी समानताएँ देखते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि हम इनमें से ज़्यादातर कहाँ देखते हैं? नीतिवचन में। जब हम नीतिवचन, खास तौर पर अध्याय 10 से 15 तक पहुँचते हैं, तो हम एक के बाद एक विरोधाभासी समानताएँ देखेंगे।

और मैं सुझाव दूंगा कि इसे पढ़ने वाले व्यक्ति को सिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, क्योंकि नीतिवचन सीखने, जीवन के बारे में सीखने के बारे में है, उस व्यक्ति को यह भेद करना सिखाता है कि एक तरफ क्या अच्छा है और दूसरी तरफ क्या नहीं। तो, आपके पास ये ध्रुवीकरण अभिव्यक्त हो रहे हैं। धर्मी का मार्ग, दुष्ट का मार्ग, सत्य, असत्य, आनंद, निराशा।

ये ऐसी चीज़ें हैं जो वहाँ दिखाई देती हैं। ठीक है, तो ये विरोधाभासी हैं। संश्लिष्ट समानता का उदाहरण भजन 1 के पहले भाग में बहुत अच्छी तरह से दिया गया है। और मैं इसे आपके लिए पढ़कर सुनाता हूँ।

फिर से, प्रत्येक पंक्ति के बारे में सोचें जो विषय को थोड़ा और परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है। धन्य है वह व्यक्ति। खैर, उसके बारे में क्या? धन्य है वह व्यक्ति जो दुष्टों की सलाह पर नहीं चलता, पापियों के मार्ग पर नहीं खड़ा होता, या उपहास करने वालों की सीट पर नहीं बैठता।

इसलिए यहाँ हमारा दृष्टिकोण बढ़ रहा है। दूसरे शब्दों में, उस व्यक्ति के जीवन का हर पहलू उन चीज़ों से दूर रहना है जो समस्याजनक हैं। लेकिन उसका आनंद प्रभु के नियम में है।

और वह अपने नियम पर दिन-रात ध्यान करता है। वह उस वृक्ष के समान है जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया है, जो ऋतु में फल देता है, जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। वह जो कुछ करता है, वह सफल होता है।

आपको पूरी तस्वीर मिल रही है। इसमें एक उपमा है, जैसे कि एक पेड़। इस व्यक्ति का वर्णन करने के लिए ये सभी चीजें जोड़ी गई हैं।

और फिर, ज़ाहिर है, अगले दो श्लोक, चार और पाँच, दुष्टों के बारे में नहीं हैं। दो बड़े विरोधाभास। पहले, एक तरफ़ धर्मी, फिर दूसरी तरफ़ दुष्ट।

और फिर, जैसा कि मैंने पहले कहा, छंद छह उन्हें अपनी छोटी-सी विरोधाभासी समानता में एक साथ लाता है। खैर, बस उस पर आगे बढ़ने के लिए कुछ नोट्स। ये, जैसा कि मैं आपको सुझाव देता हूँ, सत्य को व्यक्त करने के बहुत शक्तिशाली साधन हैं।

सबसे पहले, कविता के महत्व के बारे में हम पहले ही जो कुछ कह चुके हैं, उसके लिए और भी बहुत कुछ, और यह हमें यहाँ हमारे तीसरे बिंदु पर ले जाता है। जब आपको कुछ बार-बार कहने का मौका मिलता है, तो इस बात की अच्छी संभावना होती है कि आपको सुनने वाले लोग इसे थोड़ा बेहतर तरीके से याद रख सकें। यही कारण है कि शिक्षक, चाहे हमें यह पसंद हो या न हो, चीजों को बार-बार दोहराते हैं और चीजों को बार-बार दोहराते हैं और उन्हें फिर से दोहराते हैं।

क्योंकि हमारा दिमाग ऐसा है कि हमें वास्तव में सीखने और जो चल रहा है उसे आत्मसात करने के लिए दोहराव की आवश्यकता होती है, अगर मैं इस कक्षा में केवल एक बार कुछ कहता हूँ, तो मुझे अनुभव से पता है कि यह आमतौर पर छूट जाता है। और ऐसा नहीं है, मैं आपके बारे में अपमानजनक टिप्पणी नहीं कर रहा हूँ, मैं बस इतना कह रहा हूँ कि दिमाग बहुत कुछ ग्रहण कर सकता है, आत्मसात कर सकता है और बनाए रख सकता है।

लेकिन अगर यह कई बार कहा जाता है, उदाहरण के लिए, अगर मैंने आपसे कहा है, अरे, आप जानते हैं, परीक्षा के लिए उन फिलिस्तीन शहरों को सीखना वास्तव में एक अच्छा विचार होगा। मैंने अब तक ऐसा कहा है, मुझे लगता है, तीन या चार बार और अभी भी। यह पंजीकृत है, है ना? और आप सोच रहे हैं, मुझे यकीन है कि वे बुधवार को परीक्षा में दिखाई देंगे।

दोहराव से मदद मिलती है। और यह तथ्य कि समानता हमें दोहराने की अनुमति देती है, लेकिन एक ही शब्द नहीं, उबाऊ हो जाता है, और यह किसी को भी निराश कर सकता है। लेकिन समानार्थी शब्दों का उपयोग करना, आप जानते हैं, अलग-अलग शब्द, लेकिन वे एक ही विचार को व्यक्त कर रहे हैं।

और आपका दिमाग इसे थोड़ा बेहतर तरीके से संसाधित करता है। इसलिए, यह वास्तव में सच्चाई को घर तक पहुँचाने का एक अद्भुत तरीका है, चाहे वह समानार्थी हो या विरोधी समानताएँ। और विरोधी, हम इस और इस के बीच अंतर करने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

यह वही है जो प्रतिपक्ष कर रहा है। और फिर यहाँ अर्ध-इटैलिक्स में जो कुछ है, वह कुछ ऐसा है जो मुझे बहुत पसंद है। क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, अनुवाद एक चुनौतीपूर्ण उद्यम है।

यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। आप में से जो लोग विदेशी भाषाओं में पढ़ाई कर रहे हैं, वे जानते हैं कि एक भाषा से किसी चीज़ को दूसरी भाषा में सटीक रूप से प्रस्तुत करना कोई आसान काम नहीं है। सोचिए कि न केवल एक भाषा से दूसरी भाषा में सत्य को ले जाना बल्कि भजनों के पाठों में भी कितना मुश्किल है; उदाहरण के लिए, आप में से जो लोग अभी भी कभी-कभार भजनों को देखने के बारे में सोचते हैं, उनके लिए ऐसे भजन हैं जिनका जर्मन कोरल से अनुवाद किया गया है।

जिन लोगों ने इनका अनुवाद किया है, वे बिल्कुल शानदार हैं क्योंकि वे मूल अर्थ को बनाए रखने और उस अर्थ को जर्मन से अंग्रेजी में व्यक्त करने में कामयाब रहे हैं, साथ ही संगीत के अनुकूल तुकबंदी और लय भी रखी है। और यह एक चुनौती है। और अगर आप पीछे जाकर जर्मन में से कुछ को देखें, तो यह हमेशा अंग्रेजी अनुवाद जैसा ही नहीं होता क्योंकि इसे संगीत के लिए तुकबंदी और लय के अनुकूल बनाने के लिए कुछ दिलचस्प बदलाव किए गए हैं।

हिब्रू कविता में, आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि यह तुकबंदी और लय पर आधारित नहीं है। यह वैचारिक समानता पर आधारित है। मैं सुझाव दूंगा कि यह एक अद्भुत तंत्र है, जिससे ईश्वर के सत्य को इस तरह से व्यक्त किया जा सकता है कि यह मानव इतिहास में दुनिया के किसी भी भाषा परिवार में फैल सके और समझा जा सके और इसमें ध्वनि की उन बारीकियों को बनाए रखने की ज़रूरत नहीं है जो हमारे पास कुछ प्रकार की काव्यात्मक अभिव्यक्ति में उनकी मुख्य विशेषताओं के रूप में हैं।

क्या यह आपको समझ में आता है? इससे आपकी रीढ़ की हड्डी के पिछले हिस्से में सिहरन पैदा होनी चाहिए। खैर, यह पीठ है। आपकी रीढ़ की हड्डी के ऊपर और नीचे, ठीक है? क्योंकि यह कुछ ऐसा है जो बेहद अनोखा है।

खैर, यह अद्वितीय नहीं है। आप अन्य सेमिटिक भाषाओं में भी समानताएँ देखते हैं। लेकिन यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में हिब्रू कविता के लिए आधारभूत है और यह प्रथम नियम सत्य का इतना बड़ा हिस्सा है जिसे परमेश्वर ने हमें प्रकट करने के लिए चुना है।

ठीक है, क्या मैंने इस बारे में इतना कुछ कह दिया है कि आप समझ गए होंगे? यह अच्छी समानता नहीं है, लेकिन मैंने इसे कुछ तरीकों से कहने की कोशिश की है। यह महत्वपूर्ण है। आगे बढ़ने से पहले क्या आपके पास इस पर कोई सवाल है? हम हिब्रू कविता के बारे में कुछ और बातें कहना चाहते हैं।

ठीक है, चलिए शुरू करते हैं। आपमें से कुछ लोगों ने आलंकारिक भाषा का उल्लेख किया है, और यह बिल्कुल सही है। आपको इन उदाहरणों को कॉपी करने की ज़रूरत नहीं है।

आप बस थोड़ी देर बाद संदर्भ देख सकते हैं। लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, मानवीकरण अमूर्त गुणों या अवधारणाओं को मानवीय विशेषताएँ देना है। ठीक है, यहाँ यही हो रहा है।

मानव या पशु। शायद मुझे पशु गुण भी कहना चाहिए। तो, हमने समुद्र को देखते और भागते हुए देखा है।

समुद्र आमतौर पर ऐसा नहीं करता। समुद्र ने देखा और भाग गया। जॉर्डन वापस लौट आया।

पहाड़ मेढ़ों की तरह उछल रहे थे। और पहाड़ियाँ मेमनों की तरह उछल रही थीं जैसा कि भजन 114 में बताया गया है। ठीक है? अब, यह एक अद्भुत कथन है।

और आपको यह समझने के लिए अपनी कल्पना का थोड़ा सा उपयोग करना होगा, यह वास्तव में आश्चर्यजनक है। क्या हो रहा होगा? और इसलिए आइए इसे थोड़ा बड़ा, व्यापक संदर्भ में देखें। जब इस्राएल मिस्र से बाहर आया, याकूब का घराना एक विदेशी भाषा बोलने वाले लोगों से, यहूदा परमेश्वर का पवित्र स्थान बन गया, इस्राएल उसका प्रभुत्व बन गया।

दूसरे शब्दों में, यह उनके इतिहास की सबसे बड़ी घटना को दर्शाता है। मिस्र से बाहर आना। कोई आश्चर्य नहीं कि आपने पूरी प्रकृति को इस तरह के आनंद में शामिल होते हुए देखा है।

हे समुद्र, तू क्यों भाग गया? हे यरदन, तू क्यों पीछे मुड़ गया? हे पहाड़ों, तू क्यों मेढ़ों की तरह उछल-कूद कर रहा है? हे पहाड़ियों, तू क्यों मेमनों की तरह उछल-कूद कर रहा है? हे पृथ्वी, यहोवा की उपस्थिति में काँप उठ। याकूब के परमेश्वर की उपस्थिति में। परमेश्वर ने अद्भुत काम किए हैं, और इसलिए ये बातें तुम्हारे द्वारा प्रकटीकरण के रूप में कही जा रही हैं।

अब हम एक और तरह की आलंकारिक भाषा की बात करते हैं, जिसे रूपक कहते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, रूपक और उपमा दोनों ही असामान्य तुलनाएँ स्थापित करते हैं। हम अपने इंजील शब्दजाल में यह कहने के आदी हो गए हैं कि ईश्वर एक चट्टान है, है न? मेरा मतलब है, हम हमेशा ऐसा करते हैं।

क्या मेरे पास यहाँ वह है? नहीं, मेरे पास नहीं है। हम इसे गाते हैं, हम इसे कहते हैं, लेकिन वास्तव में, यह कहना कि ईश्वर एक चट्टान है, एक बहुत ही असामान्य तुलना है। बस उन सभी बोझों से छुटकारा पाएँ जो विभिन्न और विविध चीजों के साथ आते हैं और यह सोचने की कोशिश करें कि इससे क्या संदेश दिया जा रहा है।

किस अर्थ में भगवान एक चट्टान है? तुम मुस्कुरा रहे हो, जैक। हमें जवाब दो। मुझे खेद है, इसे फिर से कहो।

ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप इसे गलत तरीके से समझ सकते हैं। ठीक है, हम बेजान, नीरस और मृत के बारे में सोच सकते हैं। दूसरे शब्दों में, पेड़ों के विपरीत और इसी तरह और भी बहुत कुछ।

और क्या? वैसे, हमारे संदर्भ में भी, सही शब्द क्या है? बाइबल की सच्चाई से प्रभावित या प्रभावित, कुछ अस्पष्टता होगी। हाँ, जिंजर। ठीक है, कुछ ऐसा जो स्थिर, बुनियादी, आधारभूत, ठोस, अपरिवर्तनीय हो।

निक। ठीक है, फिर से, तो हमारी नींव, दूसरे शब्दों में, हमारा विश्वास भगवान की चट्टान पर बना है और इसी तरह और भी बहुत कुछ। क्या ऐसा कुछ है जिस पर आप अपना पैर ठोकर मारते हैं और ठोकर खाते हैं? कुछ ऐसा जो दर्द देता है? यशायाह में भी कुछ ऐसी ही कल्पना है।

और इसे नए नियम में भी उठाया गया है। वैसे भी, हमारे पास परमेश्वर के सभी धर्मशास्त्र को एक चट्टान के रूप में खोलने का समय नहीं है, लेकिन फिर भी, उन रूपकों के बारे में सोचें जो शास्त्र में दिखाई देते हैं। अब, यह भी एक बहुत ही आम रूपक है।

हे प्रभु, आप मेरे चारों ओर एक ढाल हैं। उस सुरक्षा के बारे में बात करना जो ईश्वर हमें एक ऐसी दुनिया में प्रदान करता है जहाँ हमें इसकी सख्त ज़रूरत है। कभी-कभी, हमारे संदर्भ थोड़े बहुत सुरक्षित होते हैं, और हम खुद को इतनी अच्छी तरह से सुरक्षित रखने में कामयाब होते हैं, और हमारे माता-पिता ऐसा करते हैं, और हमारी संस्थाएँ ऐसा करती हैं, इत्यादि।

हम अक्सर इस बात से अवगत नहीं होते कि हमें परमेश्वर की सुरक्षा की कितनी सख्त ज़रूरत है। लेकिन यहाँ हमें भजन में बताया गया है कि परमेश्वर एक ढाल है। और फिर, भजन 1 पर वापस आते हैं, जिसे हमने अभी पढ़ा, एक उपमा।

उपमा और रूपक के बीच एकमात्र अंतर जो मैं जानता हूँ, या कम से कम सबसे आसान अंतर यह है कि उपमा वास्तव में शब्द जैसे या जैसा को अपने में शामिल करती है। तो, आपके पास वह स्पष्ट तुलना है। तो, जो धर्मी है वह एक पेड़ की तरह होगा।

और फिर, बेशक, यह आगे बढ़ता है और पानी के किनारे लगाए गए पौधों, अपने मौसम में पत्तियों, फल देने वाली और उन सभी चीजों का सुंदर चित्रण करता है जो उपमा का हिस्सा हैं। ठीक है, अतिरिक्त विशेषताएँ। खैर, चलो बस कुछ और करते हैं।

एक्रोस्टिक। और जैसा कि आप जानते हैं, जब हम हिब्रू कविता में एक्रोस्टिक के बारे में बात कर रहे हैं, जो बाइबिल हिब्रू कविता है, हम शब्दों के बारे में बात कर रहे हैं, कविता की प्रत्येक पंक्ति के पहले शब्द जो हिब्रू वर्णमाला के क्रमिक अक्षरों से शुरू होते हैं। भजन 119 हमारा प्रमुख है क्योंकि आठ छंदों में से प्रत्येक हिब्रू वर्णमाला के पहले अक्षर, अलेफ़ से शुरू होता है, और फिर अगले आठ बेत से शुरू होते हैं, अगले आठ, गिमेल, और इसी तरह, पूरे हिब्रू वर्णमाला के माध्यम से।

और आप सोच रहे होंगे, ठीक है, यह वाकई बहुत बढ़िया है। और वैसे, ये दूसरे भजन भी यही बात कहते हैं। नीतिवचन 31 एक ऐसी स्त्री का अद्भुत वर्णन है, जिसके जैसा जीना असंभव है, आप जानते हैं, वह आदर्श स्त्री।

हम इस बारे में तब बात करेंगे जब हम नीतिवचन के बारे में बात करेंगे। वह भी, नीतिवचन 31 की आयत 10 से शुरू होकर, अध्याय के अंत तक एक एक्रोस्टिक है। विलाप में एक्रोस्टिक शामिल होने जा रहा है।

तो यह वास्तव में कहने का एक तरीका है, यहाँ x के बारे में एक व्यापक कथन है, इस मामले में, A से Z तक, अगर आप चाहें, तो हिब्रू वर्णमाला में अलेफ़ से तव तक। अब फिर से, आप जानते हैं, अगर आप इसे एक बार इस्तेमाल करने की बात कर रहे हैं तो यह इतना मुश्किल नहीं है। लेकिन कोशिश करें और आठ बार सोचें जब आप अक्षर x से कविता की एक पंक्ति शुरू कर सकते हैं। वे x के बराबर हैं, आप जानते हैं; दूसरे शब्दों में, कविता की एक पंक्ति शुरू करना मुश्किल है क्योंकि बहुत सारे शब्द इन अक्षरों से शुरू नहीं होते हैं।

हिब्रू में x और शायद z के बराबर कुछ है, है न? और फिर भी भजनकार ने भजन 119 में हिब्रू वर्णमाला के इन अक्षरों में से प्रत्येक के लिए बहुत सावधानी से आठ पंक्तियों की कविता बनाई है। भजन 119 का मुख्य विषय क्या है? वहाँ मुख्य जोर किस बात पर है? कोई जानता है? जिंजर। आह, आप भजन 19 के बारे में सोच रहे हैं।

खैर, भजन 19, मुझे नहीं कहना चाहिए। लेकिन यह 119 है, जिसमें कुछ ऐसा ही होने वाला है, लेकिन केट की ओर हर श्लोक में एक प्रेरक शक्ति अधिक है। हाँ, परमेश्वर का वचन, परमेश्वर की विधियाँ, परमेश्वर के निर्णय, और इसी तरह, और आज्ञाएँ, गवाहियाँ।

इस पर जोर देते हुए, भजन 119 परमेश्वर के वचन की हर उस चीज़ के लिए पूरी तरह से पर्याप्तता का एक व्यापक कथन होने जा रहा है जिसके लिए हमें इसकी ज़रूरत हो सकती है। अब, जब हम इसे पढ़ रहे होते हैं, तो हम अपने ध्यान की अवधि में थोड़ा कमज़ोर पड़ सकते हैं। हमें इसे इस भावना के साथ पढ़ने की ज़रूरत है कि यह परमेश्वर के वचन की असीम सुंदरता पर एक बहुआयामी नज़र है, और यही भजनकार का उद्देश्य है कि वह इसे व्यक्त करने के लिए उस पूरे विस्तार और एक्रोस्टिक का उपयोग करे।

ठीक है, बस कुछ और बातें। यह भी एक मामले के विचार की पूरी सीमा के साथ मिलती है। हमारे पास जो है उसे क्रमांकित पैटर्न कहा जाता है।

मैं इसे कहने का कोई और तरीका नहीं सोच सकता, लेकिन भजन संहिता 62 को हमारे उदाहरण के रूप में देखें, और फिर मैं आपके लिए यह नोट करूँगा कि इनमें से ज़्यादातर बातें नीतिवचन की किताब में दिखाई देती हैं। भजन संहिता 62 की आयत 11 में कहा गया है, एक बात भगवान ने कही है, दो बातें मैंने सुनी हैं। ठीक है, एक, दो।

नीतिवचन की पुस्तक के अध्याय 30 में, तीन बातें, चार नहीं, ऐसी हैं। नीतिवचन 6, आयत 16 से 19 में, छः बातें हैं जिनसे यहोवा घृणा करता है, सात बातें उसके लिए बहुत घृणित हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन सात में से, दो बार हम पढ़ते हैं, झूठ, असत्य और छल परमेश्वर के लिए बहुत घृणित हैं।

तो, यह कहने का एक तरीका है, यहाँ किसी विशेष मुद्दे पर एक व्यापक नज़र है, और यह इसे एक तरह की व्यवस्था भी देता है। खैर, हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए। वैसे, क्या आपके पास भजनों पर जाने से पहले इस पर कोई सवाल है? ठीक है, भजनों का परिचय।

जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, ये मुख्य रूप से दाऊद के हैं, लेकिन ये किसी भी चीज़ से ज़्यादा इसराइल के हैं। जैसा कि मैंने यहाँ आपके लिए उल्लेख किया है, भजनों के बारे में एक बढ़िया बात यह है कि न केवल वे हमारे लिए परमेश्वर के वचन हैं, बाकी सभी शास्त्रों की तरह, जो वास्तव में हमारे लिए परमेश्वर के वचन हैं, बल्कि वे मनुष्य के शब्दों को वापस परमेश्वर की ओर दर्शाते हैं। और यह उन कारणों से बहुत महत्वपूर्ण है जिनके बारे में मुझे उम्मीद है कि वे स्पष्ट हो जाएंगे, खासकर जब हम आज अपने व्याख्यान के अंत में पहुँचेंगे।

लेकिन भजन हमें वास्तव में एक पैटर्न, मानवीय भावनाओं की पूरी श्रृंखला को व्यक्त करने के लिए एक प्रतिमान देते हैं। आप खुश हैं, और एक भजन है जो उससे मेल खाता है। आप वास्तव में किसी ऐसे व्यक्ति से नाराज़ हैं जिसने आपके साथ अन्याय किया है, ऐसे भजन हैं जो इसे व्यक्त करते हैं।

आप चिंतित हैं और आपको भरोसा करना सीखना चाहिए, और ऐसे भजन हैं जो इसे व्यक्त करते हैं। तो, यह एक पैटर्न है, एक प्रतिमान है, जैसा कि मैंने कहा, हमारे सीखने के लिए, न केवल अपनी भावनाओं को व्यक्त करना, बल्कि इसे वापस ईश्वर तक पहुंचाना, जो, सर्वोच्च ईश्वर के रूप में, हम जो कुछ भी कहेंगे, उससे निपटने में सक्षम है। तो, यह बात करना सीखना है, और यदि आप भजन पढ़ते हैं, तो आपको यह अच्छी तरह से समझ में आता है कि इन भजनों के लेखक केवल कायरतापूर्ण, दूध-टोस्ट वाले प्रकार के लोग नहीं हैं जो सभी सही बातें कहते हैं, वे ऐसा नहीं करते हैं।

वे वही कहते हैं जो उनके दिल में होता है। और कभी-कभी वे बातें उन चीज़ों के लिए बहुत सच्ची होती हैं जो हम महसूस करते हैं और जिन्हें हमें व्यक्त करने की ज़रूरत होती है। इसलिए, वे इस तरह से बहुत मददगार होते हैं।

खैर, हम ये दोनों काम एक साथ कर सकते हैं। भजन के शीर्षक, आप जानते हैं, वह बारीक प्रिंट जो भजन से पहले दिखाई देता है, संभवतः मूल भजन ग्रंथों में नहीं है, जहाँ तक हम बता सकते हैं। जब आप अब अपनी हिब्रू बाइबिल पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि भजन के शीर्षक वास्तव में श्लोक एक हैं, इसलिए कभी-कभी भजन का आपका संस्करण हिब्रू की तुलना में अंग्रेजी में थोड़ा अलग होगा।

जब भी वे पाठ में आए, वे हमें कुछ रोचक जानकारी देते हैं। और इसलिए मैंने यहाँ संक्षेप में बताने की कोशिश की है कि हम भजन के शीर्षकों से वास्तव में क्या सीख सकते हैं। सभी भजनों के शीर्षक नहीं होते, उनमें से कई के होते हैं।

लेकिन हम परिस्थितियों को जान सकते हैं। यह एक बेहतरीन उदाहरण है क्योंकि पिछली बार जब हमने दाऊद के बारे में बात की थी, तो हम इसका ज़िक्र कर चुके हैं। हम कैसे जानते हैं कि

भजन 51 उस भयानक परिस्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, जो दाऊद द्वारा बतशेबा के साथ पाप करने और उरीया की हत्या करने और नातान द्वारा उसका सामना करने के बाद हुई थी? यह भजन का शीर्षक है।

भजन 51 की पहली पंक्ति हमें बताती है कि यह भजन इसी समय लिखा गया था। और यह निश्चित रूप से सटीक बैठता है। अब, मैं आपको सबसे पहले यह बताना चाहूँगा कि जब आप भजन के शीर्षकों को ध्यान से पढ़ेंगे, तो उनमें से सभी उतने सटीक नहीं लगेंगे।

यह उस मुद्दे का एक उदाहरण हो सकता है जिसे मैंने मूल पाठ का हिस्सा न होने के संदर्भ में उठाया था। दूसरे, हमारे पास फिर से, इन भजनों के लिए लेखकत्व है, दाऊद के 70 से अधिक। लेकिन कुछ अन्य लोगों पर ध्यान दें जो दिखाई देते हैं।

आसाफ नामक व्यक्ति ने कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण भजन लिखे हैं। उनमें से कई भजन यरूशलेम और सियोन पर्वत तथा मंदिर पर दुष्ट लोगों के हाथों हुए विनाश से संबंधित हैं। वे इस बात से संबंधित हैं कि बुराई से कैसे निपटा जाए, खासकर जब वह अन्यायपूर्ण हो।

कोरह के पुत्र, यह थोड़ा असामान्य क्यों है? कोरह के पुत्रों का उल्लेख संभवतः भजनों के लेखकों के रूप में किया जाना। कोरह कौन है? केटी। ठीक है, वह एक लेवी है, है न? और क्योंकि वह और कई अन्य लोग मूसा और हारून के खिलाफ विद्रोह में थे, और विशेष रूप से कोरह पुरोहित वंश चाहता था, वह और, पाठ कहता है, उसके लोग पृथ्वी के खुलने पर निगल लिए गए।

लेकिन यहाँ हमारे पास संकेत है, जो, वैसे, हमें गिनती अध्याय 26 में भी मिलता है, कि कोरह की पूरी वंशावली खत्म नहीं हुई। और इसमें जो सुंदर बात है, और हो सकता है कि मैंने इसका उल्लेख तब किया हो जब हम कोरह के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन यहाँ इसे दोहराने का मौका है, ठीक है? यहाँ इस बारे में सुंदर बात है। कोरह ने जो किया उसके कारण परमेश्वर कोरह के वंशजों को स्थायी रूप से अस्वीकार नहीं करता।

वास्तव में, उन्हें बहाल कर दिया गया है, और वे वास्तव में वे लोग हैं जो मंदिर में परमेश्वर की उपस्थिति में सेवा करने जा रहे हैं, और यहाँ तक कि भजनों की कुछ चीजों की रचना भी करते हैं। तो कोरह के पुत्र बहुत दिलचस्प हैं, और मैं कहूँगा कि उदाहरणात्मक, भजन का शीर्षक परमेश्वर की दया, पूर्ण दया और क्षमा का संकेत देता है। खैर, फिर हमारे पास सुलैमान और मूसा हैं, उनमें से प्रत्येक को एक का श्रेय दिया जाता है, और फिर कुछ ऐसे हैं जो गुमनाम हैं, इसलिए हम बस नहीं जानते।

जब आप भजन के इन शीर्षकों को पढ़ते हैं, तो कभी-कभी आपको कुछ ऐसी चीजें दिखती हैं जिन्हें आप समझ नहीं पाते। शिगियोन, अच्छा, वह क्या है? आप जानते हैं, हम नहीं जानते। वे शायद संगीत के नोट्स हैं, कुछ इस बारे में कि उन्हें कैसे बजाया जाता है।

हमें यह याद रखना चाहिए कि ये चीजें गाई गई थीं। हम उन्हें पढ़ते हैं। हम अपनी कक्षाएँ शुरू करते समय उनके छोटे-छोटे अंश गाने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन मैं आपको प्रोत्साहित करूँगा कि आप अपने करियर के किसी मोड़ पर चर्च जाने वाले व्यक्ति के रूप में जाएँ, करियर शायद यहाँ इस्तेमाल करने के लिए गलत शब्द है, लेकिन स्कॉटिश प्रेस्बिटेरियन चर्च या किसी ऐसे चर्च में जाएँ जहाँ भजन गाए जाते हैं क्योंकि जब आप सीखेंगे तो आपके लिए उनका स्वाद बिल्कुल अलग होगा, सिर्फ़ छोटे-छोटे छंद नहीं गाएँगे जैसा कि हम कर रहे हैं, बल्कि पूरा भजन गाएँगे। यह एक अद्भुत अनुभव है। खैर, बस थोड़ी सी व्यवस्था की ज़रूरत है।

हमारे पास भजन संहिता की पाँच पुस्तकें हैं, जैसा कि आप अपने अंग्रेजी अनुवादों में देख सकते हैं। बेशक, यह मूसा की हमारी पाँच पुस्तकों से काफ़ी हद तक मिलती-जुलती है, और मेरा सुझाव है कि इसे जानबूझकर इस तरह से बनाया गया है। लेकिन यहाँ दिलचस्प बात यह है।

याद रखें हमारे तीन, जैसा कि मैं चार उंगलियाँ उठा रहा हूँ, मैं भी गिन सकता हूँ। हिब्रू बाइबिल के हमारे तीन खंड याद हैं? वे क्या हैं? पहला टोरा है, जो टी से शुरू होता है। हिब्रू बाइबिल का दूसरा खंड नेवी'इम है, जो भविष्यद्वक्ता है, है न? और वह न्यायाधीशों से शुरू होने वाला है। माफ़ करना, जोशुआ, इसे ठीक से समझो।

तीसरा भाग केतुविम, लेखन है, और इसकी शुरुआत भजन संहिता की पुस्तक, स्तोत्र से होती है। अब, जो बात दिलचस्प है वह यह है कि जोशुआ, जैसा कि हमने शुरू में देखा था, जोशुआ को इस टोरा पर ध्यान लगाने के लिए ईश्वर की ओर से एक मजबूत उपदेश के साथ शुरू होता है। इसे जाने न दें।

दिन-रात इस पर ध्यान लगाओ। यही बात हम भजन 1 में देखते हैं। इसी विषय को दोहराया गया है। ठीक है, जो टोरा पर ध्यान लगाता है।

यहाँ बहुत महत्वपूर्ण अवधारणा है। खैर, भजन संहिता में कुछ बुनियादी शिक्षाएँ हैं जिन पर हम भी ध्यान देना चाहते हैं। और कुछ अन्य भी हैं, ठीक है, कुछ अन्य भी हैं, लेकिन ये वे हैं जो भजन संहिता के माध्यम से बताई गई हैं।

आप उन्हें बार-बार देखते हैं। सबसे पहले, परमेश्वर कौन है। आप यह जानना चाहते हैं कि परमेश्वर कौन है? खैर, भजन संहिता पढ़ें क्योंकि यह स्पष्ट रूप से उसकी सारी महिमा, उसके बच्चों के लिए उसके शक्तिशाली कामों, उनके लिए बार-बार किए गए कामों में मौजूद है।

हमें दो कीवर्ड का अच्छा और गहरा अर्थ मिलता है। फिर से, ये केवल दो कीवर्ड नहीं हैं, बल्कि ये बार-बार दिखाई देते हैं। हेसेड, जिसे हम पहले ही देख चुके हैं और जिसके बारे में गा चुके हैं।

परमेश्वर की वाचा, अचूक, वफ़ादार प्रेम। यह एक ऐसा विषय है जो भजनों में बार-बार आता है। परमेश्वर अपने लोगों की ओर से अपने हेसेड को प्रभावी कर रहा है।

हमारे पास दो अतिरिक्त शब्द भी हैं जो बार-बार आते हैं। एमेट का अर्थ है सत्य, और इससे संबंधित शब्द है वफ़ादारी, एमुनाह। सत्य और वफ़ादारी, ये दोनों एक दूसरे से बहुत जुड़े हुए हैं।

ये दोनों बातें बार-बार सामने आती हैं। जब भी आपको मौका मिले भजन 103 पर नज़र डालें, क्योंकि यह एक बहुत ही सुंदर और शायद प्रसिद्ध अंश है, और यह उन पर काफ़ी ध्यान केंद्रित करने वाला है। इसके विपरीत, और कुछ मायनों में मुझे आशा है कि आप देख रहे होंगे कि टोरा के उद्देश्यों के बीच यहाँ थोड़ी समानता है, ईश्वर की पवित्रता दिखाना, मानव जाति की पापपूर्णता दिखाना।

खैर, यहाँ हमारे पास भजन हैं जो इसी तरह की बात को दर्शाते हैं। परमेश्वर की महिमा और मनुष्य की पापमयता। पापी मनुष्यों को सबसे पहले पश्चात्ताप और दूसरे, उद्धार की कितनी सख्त ज़रूरत है।

ऐसे कई भजन हैं जहाँ मानव लेखक उद्धार के लिए परमेश्वर से रो रहा है, शायद दुश्मनों से मुक्ति के लिए, शायद अपने पापों और अपने पापी स्वभाव से मुक्ति के लिए। और फिर, तीसरा, परमेश्वर के वचन के लिए गहरा प्रेम। वाह, क्या यह दिलचस्प नहीं है? भजनों में।

दूसरे शब्दों में, लोग इस बारे में गा रहे हैं कि उन्हें परमेश्वर के वचन से कितना प्यार है। हम अक्सर इस बारे में नहीं गाते। हम दूसरी चीज़ों के बारे में गाते हैं जो वाकई महत्वपूर्ण हैं, लेकिन यहाँ वे इस बारे में गा रहे हैं कि परमेश्वर का वचन उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है।

यह दोषरहित है, यह परिपूर्ण है। यह उन सभी कामों को करेगा जो हमें परमेश्वर की संतान बनाने के लिए आवश्यक हैं। और फिर, बेशक, यह परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से जीने के लिए एक स्पष्ट दृढ़ संकल्प के साथ चलता है।

तो, ध्यान दें कि यह टोरा के बहुत से विचारों को उठा रहा है, क्योंकि टोरा किस लिए है? निर्देश हमें यह सीखने के लिए है कि किस तरह से हम अपने वाचा के परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से जीवन जीएँ। हमें और क्या कहना है? हाँ, हाँ। यहाँ हम शायद किराने की सूची की तरह महसूस करना शुरू कर दें, इसलिए मुझे कुछ परिचयात्मक टिप्पणियाँ करने दें।

मैं किसी भी तरह से भजनों की सुंदरता और आपके दिलों पर छा जाने की उनकी क्षमता को छीनने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, ठीक है? तो बस उससे सावधान रहें। लेकिन कभी-कभी यह मददगार होता है, जैसा कि हमने टोरा की तीन श्रेणियों के बारे में बात करते समय चर्चा की थी; कभी-कभी भजन के बारे में कैसे सोचना है, इसकी समझ होना मददगार होता है क्योंकि कुछ प्रकार के भजनों की संरचना विशिष्ट होती है। तो, मैं इन पर चर्चा करूँगा और इनमें से प्रत्येक श्रेणी के बारे में कुछ टिप्पणियाँ करूँगा, और फिर आपको प्रतिनिधि उदाहरणों को जानने के लिए प्रोत्साहित करूँगा।

दूसरे शब्दों में, प्रतिनिधि उदाहरणों को देखें और देखें कि वे इनमें से प्रत्येक श्रेणी में कैसे फिट होते हैं। और फिर मैं कुछ और श्रेणियाँ भी जोड़ने जा रहा हूँ। सबसे पहले, विलाप हैं।

और विलाप, निश्चित रूप से, किसी गलत काम के लिए दिल की बहुत बड़ी पीड़ा, पीड़ा और दर्द को व्यक्त करना है। ये व्यक्तिगत विलाप हो सकते हैं। ये कॉर्पोरेट विलाप भी हो सकते हैं।

कॉर्पोरेट विलाप अक्सर उस संदर्भ से निकलते हैं जहाँ परमेश्वर के लोगों को निर्वासन में ले जाया गया है। उन्हें उनके देश के संदर्भ से बाहर निकाल दिया गया है। वे नहीं जानते कि परमेश्वर उनके साथ आगे क्या करने जा रहा है।

लेकिन अंत में आना, आम तौर पर, ईश्वर पर भरोसा व्यक्त करना है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी निराशाजनक क्यों न हों। मैंने आपको 42 और 43 दिए हैं। अगर आपने भजनों को ध्यान से पढ़ा है, तो आप जानते होंगे कि ये दोनों एक साथ चलते हैं, और दोनों भजनों में एक ही बात दिखाई देती है।

हे मेरे मन, तू क्यों मेरे भीतर उदास है? यह वही निरंतर चलने वाली बात है, जो विलाप कर रहा है। 137 शायद इस्राएल के एक समूह के रूप में, परमेश्वर के लोगों के रूप में, अपने भयानक हालात पर विलाप करने और संकट और पीड़ा व्यक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

अब, एक तरह से संबंधित श्रेणी; वास्तव में, कुछ लोग वास्तव में इस अगले समूह को व्यक्तिगत विलाप के साथ रखते हैं, लेकिन मैं उन्हें अलग-अलग मानना पसंद करता हूँ, वे भजन हैं जो पश्चाताप के भजन हैं। जैसा कि आप जानते हैं, पश्चाताप पश्चाताप से संबंधित है, पाप पर अत्यधिक दुःख व्यक्त करना। जैसा कि बेंजामिन वारफील्ड, जो 20वीं सदी की शुरुआत में प्रिंसटन के एक महान धर्मशास्त्री थे, ने कहा, जो व्यक्ति पश्चाताप के भजन लिखता है, और 51 के मामले में, यह संभवतः डेविड है, वह पहचान रहा है कि उसने लगभग क्या खो दिया है।

दूसरे शब्दों में, उसका पूरा जीवन, जो उसने पाप, जानबूझकर किए गए पाप, अवज्ञा और परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह के परिणामस्वरूप लगभग खो दिया है। पश्चाताप भजन तब होता है जब कोई व्यक्ति यह महसूस करने की स्थिति में आता है कि एकमात्र आशा यह है कि मैं खुद को क्रूस के नीचे रख दूँ, यह अभी ईसाई परिदृश्य के माध्यम से आ रहा है, लेकिन यह लेंट है, है न? और कहो, मैं गड़बड़ हूँ, मैंने इसे पूरी तरह से गड़बड़ कर दिया है, मुझे परमेश्वर की आवश्यकता है। और यही पश्चाताप भजन करता है।

उल्लेखनीय रूप से, 51, 32 भी उसी श्रेणी में आते हैं। फिर हम शायद यहाँ स्वर में थोड़ा बदलाव करेंगे। हमारे पास धन्यवाद भजन हैं, लोगों के लिए परमेश्वर ने जो कुछ किया है उसके लिए उसकी प्रशंसा और धन्यवाद के अद्भुत भजन।

भजन 118 थोड़ा लंबा भजन है। इसका सबसे प्यारा हिस्सा वास्तव में उद्धृत किया गया है, होसन्ना, जब लोग ऊपर जा रहे थे, प्रभु का नाम धन्य हो, हमें बचाओ, प्रभु। धन्य है उसका नाम जो प्रभु के नाम से आता है, मैं इसे सही से समझूंगा।

धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है। ठीक है, और फिर स्तुति के भजन। यह है, भजन 8 इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह हमारा भजन है, बेशक, जहाँ भजनकार सृष्टि की महिमा के लिए परमेश्वर की स्तुति कर रहा है। हे प्रभु, तेरा नाम पूरी धरती पर कितना महान है? फिर वह परमेश्वर द्वारा बनाई गई सृष्टि और इस तथ्य के बारे में बात करता है कि उसने मानवजाति को स्वर्गदूतों से थोड़ा कम बनाया है, एक

भजन जिसका उल्लेख नए नियम में भी किया गया है। उद्धार के इतिहास के भजन हैं, जिनमें से अधिकांश परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और हम पहले ही यह कह चुके हैं: इस्राएल की ओर से अद्भुत कार्य, उन्हें लाना, उन्हें मिस्र से बाहर निकालना, और उन्हें स्वतंत्रता में लाना और, दिलचस्प बात यह है कि सिनाई में उनके बंधन में लाना।

भजन 78 की शुरुआत इस आज्ञा से होती है, इसे अपने बच्चों और अपने बच्चों के बच्चों को बताओ। दूसरे शब्दों में, इस काव्यात्मक रूप का उपयोग, केवल प्रभु के लिए गाने के लिए नहीं, बल्कि सत्य को आगे बढ़ाने के लिए करें। कविता पीढ़ी दर पीढ़ी सत्य को व्यक्त करने का एक अद्भुत तरीका है।

और भजन 78 इसी से शुरू होगा और फिर आगे जाकर अपने लोगों के लिए परमेश्वर के काम के बारे में बात करेगा। सिथ्योन के गीत यरूशलेम पर केंद्रित हैं। मैं आपको भजन 84 का थोड़ा सा अंश पढ़कर सुनाता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि आप इसे पहचान सकते हैं।

मुझे ये सब पढ़ना चाहिए, लेकिन आप जानते हैं कि यह समय की बात है। आप में से जो लोग संगीत के विशेषज्ञ हैं और शायद जोहान्स ब्राह्मस को जानते हैं, हम हाल ही में उनके बारे में थोड़ा गा रहे हैं। वैसे, मिया चुंग मई कॉन्सर्ट में ब्राह्मस पियानो कॉन्सर्टों प्रस्तुत कर रही हैं।

आपको यह पसंद आएगा, जाइए। लेकिन किसी भी हालत में, ब्राह्मस ने एक रेकम भी लिखा है। रेकम, बेशक, कुछ ऐसा है जो आम तौर पर मृत्यु के संदर्भ में पेश किया जाता है, लेकिन ब्राह्मस ने अपने रेकम पाठ में एक विचलन किया है।

आपमें से जो लोग यह जानते हैं, वे अच्छी तरह जानते हैं कि उन्होंने भजन 84 को भी इसमें शामिल किया है। हे सेनाओं के यहोवा, तेरा निवास स्थान कितना प्यारा है। यह एक उल्लेखनीय सुंदर चीज़ है।

और फिर वह इसके बारे में बात करना शुरू करता है। धन्य हैं वे लोग जिनकी शक्ति आप में है और जिन्होंने अपना दिल तीर्थयात्रा पर लगाया है। दूसरे शब्दों में, वे सिथ्योन जा रहे हैं।

पद सात, वे ताकत से ताकतवर होते चले जाते हैं जब तक कि वे सिथ्योन में परमेश्वर के सामने पेश नहीं होते। पद 10: तेरे आंगनों में एक दिन कहीं और के हजार दिन से बेहतर है। यह वह व्यक्ति है जो सिथ्योन में परमेश्वर की आराधना करने के लिए ऊपर जाने की संभावना से प्यार करता है।

और इसके बारे में गाता है। ठीक है, ट्रस्ट के गीत, 23. और हम इसे भी जानते हैं।

प्रभु मेरे चरवाहे हैं। और हमें चरवाहों के बारे में अच्छी समझ होनी चाहिए। चरवाहे राजाओं के लिए अच्छे प्रतीक हैं।

वे ऐसे व्यक्ति के लिए भी उत्कृष्ट आंकड़े हैं जो मूक भेड़ों के लिए हर मिनट हर मिनट गहराई से परवाह करते हैं। और हम पहले ही इस बात से गुजर चुके हैं जब हमने जंगल में इज़राइल के बारे

में बात की थी। ठीक है, ये कुछ व्यापक वर्गीकरण हैं जो इस विषय से निपटने वाले कई विद्वानों द्वारा सुझाए गए हैं।

मेरे पास दो और बातें हैं जो मैं हमारे लिए जोड़ना चाहता हूँ। उनमें से एक है, ओह, मुझे माफ़ कर दो। मैं इसे यहाँ डालना भूल गया।

हमें इस पर गौर करने की जरूरत है। मुझे इस पर एनिमेशन से बचना चाहिए था। यही कारण है कि आप इजरायल जाकर अध्ययन करना चाहते हैं।

मुझे पता है कि आप यह सुनकर थक गए हैं। लेकिन अगर मैं इसे लंबे समय तक कहता रहूँ, तो शायद कुछ हो जाए। हमने पिछली बार यह तस्वीर देखी थी।

यह दाऊद का शहर है। दाऊद के शहर में बसा यह शहर यहीं है। यहीं पर बाद में सुलैमान मंदिर बनाने जा रहा है।

जब आप देखते हैं, खासकर अगर आप यहीं खड़े हैं, तो आप ऊपर की ओर देख रहे हैं, चाहे आप किसी भी दिशा में देखें। पूर्व में पहाड़, दक्षिण में किद्रोन, पश्चिम में साउथ हिल, वेस्ट हिल और हिन्नोम घाटी, और फिर वहाँ के पहाड़, और यहाँ तक कि मंदिर पर्वत भी। आप जिस भी दिशा में देखें, उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, जब आप माउंट सिथ्योन पर होते हैं, तो आप ऊपर की ओर देखते हैं, माउंट सिथ्योन को उद्धृत करें।

और इसलिए, हमारे दो भजनों का स्वाद थोड़ा अलग है, है न? मैं अपनी आँखें पहाड़ियों की ओर उठाता हूँ। मेरी मदद कहाँ से आती है? मेरी मदद भगवान से आती है जिसने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया है। और फिर भजन आगे भगवान के बारे में बात करता है जो न तो सोता है और न ही ऊँघता है बल्कि हमारी देखभाल करता है।

लेकिन फिर से, इसे भौगोलिक संदर्भ में रखें। यह एक बिलकुल अलग आयाम को उजागर करता है। इसी तरह, भजन 125, श्लोक दो।

जैसे यरूशलेम के चारों ओर पहाड़ हैं, वैसे ही अब आपको इसका स्वाद भी मिलता है। यहाँ दाऊद के दिनों का छोटा यरूशलेम है। इसलिए, प्रभु अपने लोगों को घेरे हुए है, अभी भी और हमेशा के लिए।

जैसा कि हमने पहले कहा, पहाड़ बहुत तेज़ी से नहीं चलते। अब हम आगे बढ़ते हैं कि मैं आगे क्या करने जा रहा था। श्रेणियाँ।

मैं उन भजनों पर विशेष ध्यान देना चाहता हूँ जो मसीहाई भजन हैं। अब, उनमें से प्रत्येक अपने आप में, संरचनात्मक रूप से, उन अन्य श्रेणियों में से कुछ में फिट हो सकता है। लेकिन ये महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे किसी ऐसे व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो अभिषिक्त है।

हमारा अंग्रेजी शब्द मसीहा हिब्रू शब्द मशीआच से आया है, जिसका अर्थ है तेल से लिप्त होना या तेल से अभिषेक किया जाना। मशीआच हिब्रू है, क्रिस्टोस ग्रीक है, और इसलिए यीशु मसीह यीशु है, अभिषिक्त व्यक्ति। ये भूमिकाएँ थीं, विशेष रूप से हमारे पहले नियम में, राजाओं और पुजारियों की।

कुछ भविष्यद्वक्ता भी, लेकिन खास तौर पर राजा और पुजारी। मसीहाई भजन दो से ज़्यादा हैं, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इन दो भजनों को जानें। सबसे पहले, भजन 22।

और बेशक, जब हम नया नियम पढ़ते हैं तो यह भजन कहाँ पढ़ा जाता है? यह क्रूस पर यीशु है, है न? मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तुमने मुझे क्यों त्याग दिया? यह यीशु है जो क्रूस पर लटका हुआ है, और उस समय परमेश्वर का क्रोध उस पर सभी मानवीय पापों के विरुद्ध बरस रहा है, और त्रिदेवों के व्यक्तियों के बीच एक अवर्णनीय विभाजन है। परमेश्वर पिता अपने क्रोध को परमेश्वर पुत्र पर मोड़ रहा है, और साथ ही उससे मुंह भी मोड़ रहा है। लेंट के लिए एकदम सही चिंतन।

और हां, भजन 22 में बस इतना ही नहीं है। यह तो शुरुआती पंक्ति है। श्रोतागण, या कम से कम जो लोग अपने पाठ को जानते थे, वे बाकी बातें भी जानते होंगे।

जो लोग मुझे देखते हैं वे मेरा मज़ाक उड़ाते हैं। वे अपमान करते हैं, सिर हिलाते हैं। वह प्रभु पर भरोसा करता है।

प्रभु उसे बचाए। वह उसे छोड़ा, क्योंकि वह उससे प्रसन्न है। मत्ती 26 में हम पाते हैं कि भीड़ इस तरह की बातें कह रही है।

आगे बढ़ते हुए, श्लोक 16. उन्होंने मेरे हाथ और पैर छेद दिए हैं। मैं अपनी हड्डियाँ गिन सकता हूँ।

वे मेरे वस्त्र आपस में बाँट लेते हैं और मेरे वस्त्र के लिए चिट्ठी डालते हैं। तो आप इस भजन के उन पहलुओं को देखते हैं जो मूल रूप से दाऊद के भजन थे, जो अब क्रूस पर मसीह की सेवकाई और उन सभी चीज़ों में पूर्ण रूप से फलित हो रहे हैं जो इसका अभिन्न अंग थे। इसी तरह, फिर से, ये केवल दो मसीहाई भजन नहीं हैं, लेकिन हमें इस पर भी नज़र डालने की ज़रूरत है क्योंकि यह मलिकिसिदक के चरित्र को उठाता है जिसे हम उत्पत्ति 14 से जानते हैं।

यह भजन बहुत स्पष्ट रूप से राजसी उद्देश्यों का उल्लेख करता है। प्रभु मेरे प्रभु से कहते हैं, मेरे दाहिने हाथ बैठो जब तक कि मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों के नीचे की चौकी न बना दूँ। इस श्लोक को नए नियम में कई बार उद्धृत किया गया है जब यीशु अपने विरोधियों के साथ कुछ टकराव कर रहे थे, ठीक है? यह एक स्पष्ट मसीहाई संदर्भ है।

प्रभु ने मेरे प्रभु, दाऊद से कहा, कि यीशु अपने विरोधियों को चुनौती देने के लिए इसका इस्तेमाल करेगा, लेकिन यह केवल राजसी पहलू नहीं है। पद चार को देखें। प्रभु ने शपथ ली है और वह अपना मन नहीं बदलेगा।

आप मेल्कीसेदेक के क्रम के अनुसार हमेशा के लिए पुजारी हैं - प्रथम नियम में एकमात्र अन्य स्थान जहाँ मेल्कीसेदेक दिखाई देता है। और जैसा कि हमने बहुत समय पहले कहा था, उत्पत्ति 14 के साथ संयोजन में, इब्रानियों के लेखक ने इन दोनों को एक साथ खींचा है, उत्पत्ति 14 और भजन 110 दोनों, क्योंकि वह यीशु और मेल्कीसेदेक के बारे में बात कर रहा है, और मेल्कीसेदेक निश्चित रूप से महान महायाजक के रूप में यीशु का पूर्वाभास है।

फिर से, और अधिक मसीहाई भजन। हमारे पास एक और श्रेणी है जिसे हमें करने की आवश्यकता है, और वह है शापात्मक भजन, या यदि आप इसे अलग तरह से उच्चारण करना चाहते हैं, तो शापात्मक भजन, इस बात पर निर्भर करता है कि आप इस बारे में अमेरिकी या ब्रिटिश बनना चाहते हैं। शापात्मक भजन क्या है? इनमें से किसी एक चीज़ में क्या होता है? शाप क्या है? मैं आपको गारंटी देता हूँ, आप नहीं चाहेंगे कि आपके बारे में कोई शाप कहा जाए।

यह एक अभिशाप है। ये भजन ऐसे हैं जो विशेष रूप से परमेश्वर से लोगों को शाप देने के लिए कहते हैं। चूँकि हम 110 पर हैं, इसलिए हम 199 पर वापस जा रहे हैं, और मुझे इसका एक हिस्सा पढ़ने दें।

हे परमेश्वर, जिसकी मैं स्तुति करता हूँ, चुप मत रहो, क्योंकि दुष्ट और धोखेबाज लोगों ने मेरे विरुद्ध अपना मुँह खोला है। उन्होंने मेरे विरुद्ध झूठी ज़बानें बोली हैं, घृणा के शब्दों से उन्होंने मुझे घेर लिया है। वे बिना किसी कारण के मुझ पर हमला करते हैं, और वह आगे कहता है कि ये लोग कितने घिनौने और वाचा तोड़ने वाले हैं।

ध्यान दें कि वह क्या कहता है, छंद छह से शुरू करते हुए। उसका विरोध करने के लिए एक बुरे आदमी को नियुक्त करें। शैतान को, आपके NIV में आरोप लगाने वाला कहा गया है।

हा-शैतान माफ़ी है, हा- शैतान नहीं, शैतान हिब्रू शब्द है। जब उस पर मुकदमा चलाया जाए, तो उसे दोषी पाया जाए।

उसकी प्रार्थनाएँ उसे दोषी ठहराएँ। उसके दिन कम हों। दूसरे शब्दों में, क्या आप उसे मार डालना चाहेंगे? खैर, ऐसा कहा जा रहा है।

उसके बच्चे अनाथ हो जाएँ। उसकी पत्नी विधवा हो जाए। उसके बच्चे भटकते हुए भिखारी हो जाएँ।

उन्हें उनके बर्बाद घरों से निकाल दिया जाए, और आगे, और आगे, और आगे। और फिर श्लोक 16। उसने कभी दया करने के बारे में नहीं सोचा, और गरीबों, जरूरतमंदों और टूटे हुए दिल वालों को मौत के घाट उतार दिया।

उसे श्राप देने का शौक था। यहाँ जो हो रहा है, वह यह है कि भजनकार परमेश्वर से एक निश्चित दंड की माँग कर रहा है। अब, और भी बहुत कुछ हो रहा है।

मैं एक मिनट में इस पर चर्चा करूंगा। अगर हमारे पास समय होता, तो मैं इस पर आपके विचार जानना चाहता, लेकिन मुझे देखना है कि क्या मैं खुद ही इस पर कुछ चर्चा कर सकता हूँ क्योंकि अब लगभग 10 बज चुके हैं। लेकिन यहां न्याय के लिए माप-दर-माप उपाय को ध्यान में रखें।

भजनकार कह रहा है, इस आदमी ने शाप दिया। और यह कहता है कि वह आगे बढ़ता है। उसने शाप को एक वस्त्र की तरह पहना।

तो, यह कुछ ऐसा है जो उसके व्यक्तित्व और लोगों के साथ उसके व्यवहार में अंतर्निहित है। और इसलिए, परमेश्वर से इस व्यक्ति के साथ वैसा ही व्यवहार करने के लिए कहा जा रहा है जैसा वह दूसरों के साथ करता रहा है। अब, यह एक समस्या है।

यहाँ कुछ विचारणीय बातें हैं जिन पर हमें विचार करना चाहिए, इसके अलावा जो मैंने अभी कहा है। और वैसे, मुझे पता है कि व्याख्यान समाप्त करने का यह तरीका वाकई निराशाजनक है। लेकिन दूसरी ओर, शायद इससे हमें थोड़ी मदद मिलेगी।

ये भजन शास्त्र का हिस्सा हैं। दूसरे शब्दों में, हम अपनी कैंची लेकर उन्हें काट नहीं सकते और कह सकते हैं, यह हमें पसंद नहीं आया। वे वहाँ हैं।

वे वहाँ हैं, और हमें उनके बारे में सोचने की ज़रूरत है। और महत्वपूर्ण बात वास्तव में वहाँ दूसरे बुलेट में है। लेखक भगवान से इस से निपटने के लिए कह रहा है।

हममें से ज्यादातर लोग, जब ऐसी परिस्थितियों में फंस जाते हैं, जहाँ अन्याय हुआ है, तो हम इसे अपने ऊपर ले लेते हैं। अरे, हम तलवार लेकर किसी का सिर नहीं काटते। लेकिन मौखिक रूप से, हम अक्सर हर जगह तरह-तरह की बातें फैलाकर यही काम करते हैं।

और भजनकार ने ऐसा नहीं किया है। वह मौखिक रूप से या अन्यथा बदला नहीं ले रहा है। वह परमेश्वर से समस्या की परवाह करने के लिए कह रहा है, जो निश्चित रूप से ऐसा करने और मुद्दे को उठाने का सबसे अच्छा स्थान है।

जैसा कि आप पूरा भजन पढ़ते हैं, और जैसा कि मैंने कहा, 140, और फिर कई अन्य भजनों के खंड भी हैं। वैसे, क्या आप इसका मतलब समझ गए? यह भजनों में बार-बार दिखाई देता है। यह एक बड़ी समस्या होनी चाहिए, अन्याय से निपटना, ऐसे लोगों से निपटना जो सीधे-सीधे बुरे हैं।

लेखक परमेश्वर की महिमा के लिए चिंतित है। वह यह भी पहचानता है, जैसा कि हमें भी समझना चाहिए, कि वह एक पापी है और उसे भी परमेश्वर की दया की उतनी ही आवश्यकता है जितनी किसी और को।

यह सिर्फ इतना है कि इस संदर्भ में दूसरा व्यक्ति पूरी तरह से वाचा के दायित्वों के विपरीत काम कर रहा है जिसके तहत वे सभी रहते हैं। वैसे, दिलचस्प बात यह है कि इस भजन के कुछ हिस्से प्रेरितों के काम की पुस्तक में तब दिखाई देते हैं जब यहूदा का संदर्भ दिया जाता है। और फिर, अंत में, दुश्मन के पतन और आशा और संभावना पर कोई खुशी नहीं है कि अगर कोई व्यक्ति

वास्तव में भगवान के उपचार, दंड के लिए सौंप दिया जाता है, तो वह शायद पश्चाताप ला सकता है।

मुझे पता है कि अब समय बीत चुका है। मैं आपकी टिप्पणियाँ आमंत्रित करना चाहूँगा, लेकिन आपको चैपल में भागना होगा। तो, बुधवार को मिलते हैं, परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार।